श्री हनुमान चालीसा हिंदी में

दोहा - श्रीगुरु चरन सरोज रज
निज मनु मुकुरु सुधारि।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु
जो दायकु फल चारि ॥१॥ (क)

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दोहा - बुद्धिहीन तनु जानिके
सुमिरौं पवन-कुमार।
बल बुधि बिद्या देहु मोहिं
हरहु कलेस बिकार ॥१॥ (ख)

चौपाई - जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर॥१॥

राम दूत अतुलित बल धामा।
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा ॥२॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

महाबीर बिक्रम बजरंगी।
कुमति निवार सुमति के संगी ॥३॥

कंचन बरन बिराज सुबेसा।
कानन कुंडल कुंचित केसा ॥४॥

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै।
काँधे मूँज जनेऊ साजै ॥५॥

संकर सुवन केसरीनंदन।
तेज प्रताप महा जग बंदन॥६॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बिद्यावान गुनी अति चातुर।
राम काज करिबे को आतुर॥७॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया ॥८॥

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ॥९॥

हिन्दीपथ.कॉम

भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचन्द्र के काज सँवारे ॥१०॥

लाय सजीवन लखन जियाये।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ॥११॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥१२॥

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ॥ १३॥

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा।
नारद सारद सहित अहीसा ॥१४॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते॥ १५॥

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा।
राम मिलाय राज पद दीन्हा॥१६॥

तुम्हरो मन्त्र बिभीषन माना।
लंकेस्वर भए सब जग जाना॥१७॥

हिन्दीपथ.कॉम

जुग सहस्त्र जोजन पर भानू।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥१८॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ॥१९॥

दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥२०॥

राम दुआरे तुम रखवारे।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥२१॥

हिन्दीपथ.कॉम

सब सुख लहै तुम्हारी सरना।
तुम रच्छक काहू को डर ना ॥२२॥

आपन तेज सम्हारो आपै।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ॥२३॥

भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ॥२४॥

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥२५॥

हिन्दीपथ.कॉम

संकट तें हनुमान छुड़ावै।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥२६॥

सब पर राम तपस्वी राजा।
तिन के काज सकल तुम साजा ॥२७॥

और मनोरथ जो कोइ लावै ।
सोइ अमित जीवन फल पावै ॥२८॥

चारों जुग परताप तुम्हारा।
है परसिद्ध जगत उजियारा ॥२९॥

साधु संत के तुम रखवारे।
असुर निकंदन राम दुलारे ॥३०॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता।
अस बर दीन जानकी माता ॥ ३१॥

राम रसायन तुम्हरे पासा।
सदा रहो रघुपति के दासा ॥३२॥

तुम्हरे भजन राम को पावै।
जनम जनम के दुख बिसरावै ॥३३॥

अंत काल रघुबर पुर जाई।
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ॥३४॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

और देवता चित्त न धरई।
हनुमत सेइ सर्ब सुख करई ॥३५॥

संकट कटै मिटै सब पीरा।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥३६॥

जै जै जै हनुमान गोसाईं।
कृपा करहु गुरु देव की नाईं ॥३७॥

हिन्दीपथ.कॉम

जो सत बार पाठ कर कोई।
छूटहि बंदि महा सुख होई ॥३८॥

जो यह पढ़े हनुमान चलीसा।

होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥३९॥

तुलसीदास सदा हरि चेरा।
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ॥४०॥

दोहा-पवनतनय संकट हरन मंगल मूरति रूप।
राम लखन सीता सहित हृदय बसहु सुर भूप ॥२

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- चामुंडा देवी
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- मनसा देवी

हिंदीपथ.कॉम

- कैला चालीसा
- नरसिंह चालीसा
- ज्वाला चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- जीण चालीसा
- कुबेर चलीसा
- चित्रगुप्त चालीसा
- गोलू चालीसा
- जीण चालीसा
- झूलेलाल चालीसा
- करणी चालीसा
- यमुना चालीसा
- मेहर चालीसा
- कामाख्या चालीसा
- सत्य साई चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम